%%A. D. 1190‒1436

%%Ś. 1112‒1358

%%( From 1184—19-9-1264 A. D.)

%%p. 208

No. 134

Kūrmeśvara Temple at Śrīkūrmaṃ<1>

( S. I. I. Vol. V, No. 1271; A. R. No. 359 of 1896;

Edited by E. Hiltzsch, Ph. D, in E. I. V, PP … ; …

I. M. P. Vol. I, P. 693, No. 267 )

Ś 1199

S & T

(१।) स्वस्ति श्री [।।] शकवत्सरे [नव]<2>-निधि-क्षोणीं दुभिस्सम्मिते

दीपार्त्त(र्त्थ) कमठा[कृते]-

(२।) म्मु रात्पोरा चंद्रतारगण [।] पंच(चा)श(शा)त् प्रवराच्छगां<3>

गुणनिधि[ः] श्रीको-

(३।) लित्रि(वृ)ध्यै(द्ध यै)तरां [सं]प(प्रा)दात् पुरुषोत्तमक्षि[ति] रिति[]

श्रीर(रा)जराज(जा)-

(४।) त्मजः । [१] शक[व]पेवुलु ११९९<4> यगुनेंटि श्रीकूर्म्म-

न(नः)ध(थ)देव(-

(५।) कुनख डदीपमु सततमै चेल्लुटकु र(रा)जराजदेवनि को-

(६।) डुकु पुरुषोत्तमदेव चक्रवर्त्ति पेट्टिन गारियलु एवयि

(७।) रेंडु [।।] इ धम्मवु वैष्णव रक्षः(क्ष) [।।]

<1. On the forty-sixth pillar in the Tirchuttu manḍapa of this temple.>

<2. The first two letters are erasures.>

<3. Probably the correct reading should be सवत्सगां ।>

<4. The first and third symbols are erasures.>

<5. This number ‘5’ not found in the text. The corresponding year may be taken as A. D. 1277.>